विषय : हिंदी (प्रथम भाषा)

भाषाई कौशल/क्षेत्र : श्रवण

पाठ्यक्रम

कक्षा – पाँचवीं

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : ''पहचानो मैं कौन हूँ?'' * खेत में फसल उगाता हूँ ...... * आसमान में जाता हूँ। विमान उड़ाता हूँ ...... * सीमा की रक्षा करता हूँ	चित्र	* खेल में रुचि लेता है। * वाक्य को ध्यान से सुनता है। * वाक्य का आकलन करता है। * कक्षा में उत्तर सुनाता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * सहपाठी मूल्यांकन * मौखिककार्य * कृति *कक्षाकार्य
१.	* छोटी–छोटी सरल कविता, अभियान गीत, चित्र का वर्णन सुनना–सुनाना।	चार्ट सी.डी., डी.वी.डी, ध्वनिफीत, संदर्भ साहित्य,	* छोटी–छोटी कविता, अभियान गीत और चित्र वर्णन ध्यानपूर्वक सुनता है। * सुनने के प्रति रूझान बढ़ता है। * श्रवण के प्रति एकाग्रता का विकास होता है। * सुनी हुई बातों को कक्षा में सुनाता है। * सुनी हुई कविता, गीत, वर्णन पर पूछे गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
२.	त्योहारों पर गाए जानेवाले गीत, समूहगीत	चित्र, चार्ट सी.डी., डी.वी.डी., ध्वनिफीत, संदर्भ साहित्य,	* त्योहार पर गाए जाने वाले गीत, समूहगीत ध्यानपूर्वक सुनता है। * सुनने के प्रति रुचि जागृत होती है। * श्रवण में एकाग्रता का विकास होता है। * उपयुक्त विषयों पर पूछे गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनता है। * त्योहारों के माध्यम से परंपराओं से अवगत होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति स्वाभिमान जागृत होता है। * मिलकर काम करने की प्रवृत्ति बढ़ती है।	
३.	चुटकुले, सामाजिक समरसता, स्त्री प्रधान कहानियाँ, चित्रकथा, चित्रकथा-मालिका सुनना-सुनाना।	चित्र चार्ट चित्रकथा फोल्डर सी.डी., डी.वी.डी. ध्वनिफीत दूरदर्शन रेडियो संदर्भ साहित्य	* चुटकुले, कहानियाँ, चित्रकथा, चित्रकथा मालिका ध्यान से सुनता है। * श्रवण के प्रति रुझान बढ़ता है। * एकाग्रचित्त होकर सुनने की आदत बनती है। * पूछे गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनता है। * कहानियों के पात्रों से सहसंबंध स्थापित करता है। * सम अनुभूति की भावना विकसित होती है। * शांति, बंधुभाव, एकता का विकास होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
४.	खेलों के अपने अनुभव सुनना-सुनाना। विभिन्न खेल-खिलाड़ियों की जानकारी सुनना; प्रश्नों के उत्तर देना।	चित्र, चार्ट, प्रश्नसंच, सी.डी., डी.वी.डी. ध्वनिफीत दूरदर्शन, रेडियो संदर्भ साहित्य	* खेलों के अपने अनुभव सुनाता है। * विभिन्न खेलों के बारे में संचार माध्यमों द्वारा सुनता है। * खेलों का आँखों देखा हाल सुनता है। * संचार माध्यमों एवं अन्य व्यक्तियों से खिलाड़ियों की जानकारी सुनता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनकर उत्तर देता है। * खेल के प्रति रुचि जागृत होती है। * खिलाड़ियों के प्रति आत्मीयता और आदरभाव विकसित होता है।	
५.	विविध प्रकार के घोषवाक्य, सुवचन, दोहे तथा दिनविशेष के बारे में सुनना-सुनाना।	घोषवाक्य, सुवचन, वाक्य पट्टी चार्ट सी.डी., डी.वी.डी. ध्वनिफीत संदर्भ साहित्य	* घोषवाक्य, सुवचन, दोहे, दिनविशेष का वर्णन ध्यानपूर्वक सुनता है। * उनका आकलन करता है। * पूछे गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनता है। * प्रश्नों का आकलन करता है। * घोषवाक्य, सुवचन, दोहों में आए मूल्यों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करता है। * दिनविशेष का वर्णन सुनकर अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आदरभाव व्यक्त करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

भाषाई कौशल/क्षेत्र : भाषण संभाषण **कक्षा : पाँचवीं**

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : **‘मेरी आवाज सुनो और पहचानो’** कक्षा में ५–५ विद्‌यार्थियों के गुट बनाना आँखों पर पट्‌टियाँ बाँधकर आपस में बातचीत करना। कोई भी अपना नाम न बताए और केवल आवाज सुनकर गुट के विद्‌यार्थी मित्र को पहचानना और नाम बताना। (बातचीत का विषय वर्तमान मौसम पर आधारित हो)	* आँखों पर बाँधने के लिए कपड़े की पट्‌टियाँ, * रुमाल	* आनंदपूर्वक खेल में रुचि लेता है। * बातचीत के दौरान आवाज पहचानने का प्रयास करता है। * गुट का प्रत्येक विद्‌यार्थी बातचीत में भाग लेकर एक दूसरे की आवाज पहचानता है एवं नाम लेता है। * मौसम के संबंध में बातचीत करते हुए किसी एक विषय पर कुछ वाक्य बोलने की क्षमता विकसित होती है। * मौसम के दुष्पपरिणामों से अपने–आपको बचाने की ओर सचेत होता है। * बातचीत करने के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक * कृति * कक्षा कार्य
१.	* लय–तालयुक्त छोटी–छोटी प्राकृतिक कविता कहना। * चित्र कथा : चित्रों को देखकर कथा कहकर बताना।	* तालयुक्त कविताओं कें चार्ट, * सी.डी., डी.वी.डी. * चित्र कथा के चार्ट * ध्वनि फीत * संदर्भ साहित्य	* छोटी–छोटी प्राकृतिक कविताएँ लय–ताल के साथ सस्वर प्रस्तुत करता है । * कविताओं को लय–ताल के साथ बोलनेके प्रति रुझान बढ़ता है एवं प्रस्तुति में रुचि लेता है। * प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति आकर्षित होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक * कृति * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * कक्षाकार्य

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* प्रकृति के संरक्षण का भाव जागृत होता है। * कविता पठन प्रतियोगिता में सहभागी होता है। * चित्रों को देखकर कथा बताता है। * चित्र पढ़कर बोलने की कला का विकास होता है। * कथा-कथन के प्रति आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। * भावना एवं तनाव का समायोजन होता है।	
२.	* परिसर के कार्यक्रम का आशय एवं सारांश बताना एवं उस पर चर्चा करना। * त्योहारों पर गाए जाने वाले गीतों की एकल एवं सामूहिक प्रस्तुति।	*कार्यक्रम के प्रारूप का चार्ट *त्योहारों के गीतों के चार्ट *सी.डी., डी.वी.डी.ध्वनिफीत, *संदर्भ साहित्य	* परिसर के कार्यक्रम का आशय बताता है। * कार्यक्रम का सारांश बोलता है * कार्यक्रम के संबंध में अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करता है। * चर्चा के दौरान अपने विचार प्रस्तुत करता है। * चर्चा करने से विचार प्रस्तुति के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है। * त्योहार विशेष पर गाए जाने वाले गीत की एकल प्रस्तुति करता है। * गीतों की सामूहिक प्रस्तुति करता है। * गीत-गायन में आनंदित होता है तथा तनावमुक्त होता है। * पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ देता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक * कृति * सहपाठी मूल्यांकन * कक्षाकार्य * स्वाध्याय

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			✻ गीतों के माध्यम से त्योहारों के महत्त्व को समझते हुए परंपराओं से जुड़ता है। ✻ सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मीयता जागृत होती है।	
३.	✻ हास्य कथा, चित्रकथा, चित्रमालिका, संवाद बोलना। ✻ चित्र मालिका पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना। ✻ परिच्छेद में आए मुहावरे बताना।	✻ चित्र चार्ट, चित्र मालिका ✻ सी.डी., डी.वी.डी., ध्वनिफीत ✻ दूरदर्शन, रेडियो, परिच्छेद चार्ट ✻ संदर्भ साहित्य।	✻ कक्षा में हास्यकथा बोलकर बताता है। ✻ फोल्डर के चित्रों को देखकर कथा बताता है। ✻ चित्र मालिका को देखकर संवाद बोलता है। ✻ संवाद प्रस्तुति के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है। ✻ चित्र पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करता है। ✻ परिच्छेद में आए मुहावरों से परिचित होता है। ✻ मुहावरों को दोहराता है। ✻ तनाव का समायोजन होता है। ✻ कथा, संवाद के पात्रों से सहसंबंध स्थापित करता है।	✻ निरीक्षण ✻ प्रात्यक्षिक ✻ मौखिककार्य ✻ कृति ✻ सहपाठी मूल्यांकन ✻ कक्षाकार्य ✻ स्वाध्याय

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
४.	* विविध प्रकार के घोषवाक्य, सुवचन, दोहे, दिन विशेष की जानकारी बताना तथा जानकारी पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना।	* घोषवाक्य पट्टी, सुवचन पट्टी एवं चार्ट, * दिन विशेष की जानकारी का चार्ट * दूरदर्शन, रेडियो कैलेंडर * डायरी. * संदर्भ साहित्य	* घोष वाक्यों, सुवचनों एवं दोहों के अर्थ समझते हुए उन्हें हाव-भाव सहित प्रस्तुत करता है। * घोष वाक्यों, सुवचनों एवं, दोहों में कही गई नैतिक बातों को जीवन में उतारने का प्रयास करता है। * दिन विशेष (१५ अगस्त, २६ जनवरी, १४ सितंबर आदि) के महत्व को समझते हुए उसके संबंध में जानकारी बताता है। * दिन विशेष का महत्व समझकर उसके प्रति प्रभावित होता है। * दिन विशेष की जानकारी के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * सहपाठी मूल्यांकन * कक्षाकार्य * स्वाध्याय
५.	* मित्र, रिश्तेदार, अध्यापक से बातचीत करना।	* औपचारिक संवादों का चार्ट।	* कक्षा में अध्ययन के दौरान अनेक बार चर्चा के माध्यम से मित्रों से बातचीत करता है। * घर-परिसर में रिश्तेदारों से बातचीत करता है। * कक्षा की बातचीत को नाटक के रूप में प्रस्तुत करता है। * भाषण-संभाषण का कौशल विकसित होता है। * कक्षा में अनेक बार कठिनाई के निराकरण हेतु या जिज्ञासापूर्ति हेतु अध्यापक से बातचीत करता है। * संकोच की भावना से मुक्त होकर बेझिझक बातचीत करता है। * रिश्तेदारों एवं आस-पास के लोगों के साथ अपनापन महसूस करता है एवं बड़ों के प्रति आदरभाव निर्माण होता है।	* प्रात्यक्षिक * निरीक्षण * सहपाठी मूल्यांकन * कक्षाकार्य * स्वाध्याय

भाषाई कौशल/क्षेत्र : वाचन **कक्षा – पाँचवीं**

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : 'शब्दों की डगर से वाक्य के शिखर पर ..' **कृति** : वाक्य के क्रमरहित रूप में लिखे शब्द। विद्‌यार्थी क्रम रहित रूप में लिखे शब्दों को पढ़ता है। शब्दों का उचित क्रम लगाता है। क्रम से रखे गए शब्दों को एक–दो–तीन आदि क्रमसंख्या देता है। क्रमानुसार पढ़ता है। उदा. मिलती, सबको है, परिश्रम से, सफलता। उ. परिश्रम से सब को सफलता मिलती है।	* शब्द कार्ड	* खेल में रुचि लेता है। * बिखरे/क्रमरहित शब्दों को ध्यान से पढ़ता है। * शब्दों में परस्पर संबंध (अर्थानुसार) जोड़ता है। * जोड़े हुए संबंध के अनुसार शब्दों को क्रमानुसार एक–एक सीढ़ी पर खाने में लिखता है। * सबसे ऊपर वाले लंबे खाने में पूरा वाक्य लिखता है। * लिखे हुए वाक्य का वाचन करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन
१.	* कविता, चित्रमालिका का वाचन * कविता का लय, ताल के साथ वाचन करना। (सर्वधर्म समभाव, सौजन्यशीलता, निर्णयक्षमता पर आधारित)	* चित्रमालिकाओं के चार्ट * संदर्भ साहित्य	* सरल आशययुक्त कविता को समझते हुए उसका लय, ताल तथा हाव–भावयुक्त मुखरवाचन करता है। * कविता के वाचन में आरोह–अवरोह का ध्यान रखता है। * शुद्‌धऔर मानक उच्चारण के साथ वाचन करता है। * कविता पर दिए गए प्रश्नों को पढ़कर उनके उत्तर देता है। * तनावमुक्त होता है। * मुखरवाचन की गति बढ़ती है।	* प्रात्यक्षिक * कृति * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			✻ चित्र को ध्यान पूर्वक देखता है। ✻ चित्र के नीचे दिए गए वर्णन/कथन को पढ़ता है। ✻ वर्णन कथन के आधार पर चित्र का आकलन करता है। ✻ चित्र और वर्णन में संगति बिठाने की/परिस्थितियों के आकलन की क्षमता विकसित होती है। ✻ जीवनमूल्य, सर्वधर्मसमभाव, कौतुहल भावना विकसित होती है। ✻ तर्कक्षमता, निर्णयक्षमता विकसित होती है।	✻ उपक्रम
२.	ऐतिहासिक कथा का प्रकट वाचन करना।	✻ संक्षिप्त/छोटी ऐतिहासिक कथाओं के चार्ट ✻ संदर्भ साहित्य	✻ ऐतिहासिक कथा का मुखर वाचन करता है। ✻ मुखर वाचन में उच्चारणों की स्पष्टता, शुद्धता का ध्यान रखता है। ✻ मुखर वाचन में प्रवाह, आरोह-अवरोह का ध्यान रखता है। बिना रुके पढ़ता है। ✻ ऐतिहासिक कथा के माध्यम से प्रसंगों का क्रम ध्यान में रखने की आदत विकसित होती है। ✻ ऐतिहासिक पात्रों के आदर्शों के प्रति आकर्षित होता है। ✻ वाचन प्रतियोगिता में सहभागी होता है।	✻ निरीक्षण ✻ सहपाठी मूल्यांकन ✻ स्वाध्याय ✻ उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
३.	प्रासंगिक कथा का मुखर और मौन वाचन करना। (समस्यानिवारण, भावनाप्रधान, स्त्री-पुरुष समानता पर आधारित)	* समाचार पत्र * साप्ताहिक पत्र पत्रिकाएँ * संदर्भ साहित्य	* सामाजिक तथा राष्ट्रीय त्योहारों से संबंधित प्रासंगिक कथाओं का रुचिपूर्वक मुखर और मौन वाचन करता है। * सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति आकर्षित होता है। मूल्यों को जीवन में उतारने का प्रयास करता है। * साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित प्रासंगिक कथाओं को रुचिपूर्वक पढ़ता है। प्रवाहपूर्ण मुखर तथा मौन वाचन की रुचि विकसित होती है। * समसामयिक परिस्थितियों/परिसर की परिस्थितियों का आकलन बढ़ता है। परिसर के घटकों से संबंध बढ़ता है। आत्मीयता बढ़ती है। * वाचन के माध्यम से शब्द संग्रह बढ़ता है। * वाचन के माध्यम से मुहावरों-कहावतों का संग्रह करता है।	* निरीक्षण * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
४.	महान विभूतियों की जीवनियों का वाचन करना।	* संदर्भ साहित्य	* जीवनीप्रधान लेख आदि का रुचिपूर्ण वाचन करता है। * विभूतियों के प्रति आदरभावना बढ़ती है। * समूह भावना/सामाजिकता का विकास होता है। * पूरक वाचन के प्रति गति बढ़ती है।	* निरीक्षण * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * कक्षा कार्य * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
५.	* दर्शनीय स्थलों का वर्णन पढ़ना	* दर्शनीय स्थलों के संक्षिप्त वर्णन वाले चार्ट * संदर्भ साहित्य	* दर्शनीय स्थलों के वर्णन रुचिपूर्वक पढ़ता है। * दर्शनीय स्थलों के इतिहास और भूगोल से परिचित होता है। * दर्शनीय स्थलों की वर्णन पद्धति (स्थल–वर्णन शैली) से परिचित होता है। * दर्शनीय स्थलों के वर्णन में आए हुए विशेष शब्दों से परिचित होता है। * सांस्कृतिक विरासत के संबंध में गौरव अनुभव करता है। * वाचन कौशल में वृद्धि होती है।	* निरीक्षण * स्वाध्याय * सहपाठी मूल्यांकन * कक्षाकार्य * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन साधन/सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल – **सबसे अच्छा कौन?** **कृति –** शिक्षक द्वारा निम्नानुसार प्रश्न पूछना :– – कक्षा में सबसे सुंदर अक्षरों में लिखनेवाला विद्यार्थी कौन है? – सबसे अच्छा कविता कंठस्थ करने वाला... – सबसे अच्छा खिलाड़ी... – सबसे अच्छा बोर्ड सजाने वाला... – सबसे अच्छा मराठी बोलने वाला... – सबसे अच्छा अंग्रेजी पढ़ने वाला. – सबसे बुद्धिमान कौन है... इन प्रश्नों के उत्तर में प्राप्त विद्यार्थियों के नाम लिखे। कापियों में जिस विद्यार्थी का नाम सबसे अधिक बार आया है उस विद्यार्थी का नाम आदर्श विद्यार्थी के रूप में बोर्ड पर सप्ताह भर के लिए लिखें।	–	✻ खेल में रुचि लेता है। ✻ ध्यानपूर्वक सुनते हुए प्रश्नों के उत्तर लिखता है। ✻ विद्यार्थी 'सबसे अच्छा' बनने की ओर उन्मुख होता है। ✻ खेल के माध्यम से तनाव का समायोजन होता है।	✻ निरीक्षण ✻ मौखिक कार्य ✻ कक्षाकार्य ✻ सहपाठी मूल्यांकन

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
१.	**परिच्छेद का अनुलेखन/सुलेखन करना.**	* परिच्छेद चार्ट * संदर्भ साहित्य	* अनुलेखन, सुलेखन में रुचि लेता है। * परिच्छेद का अनुलेखन/सुलेखन करता है। * सुपाठ्य एवं सुडौल लेखन करता है। * सावधानी से शुद्ध अनुलेखन/सुलेखन करता है। * सुलेखन प्रतियोगिता में सहभागी होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कक्षाकार्य * स्वाध्याय सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
२.	**श्रुतलेखन/शुद्धलेखन करना।** (मात्रा, विराम चिह्न, मानक वर्तनी, पंचमाक्षर, संयुक्ताक्षर का ध्यान रखते हुए)	* विरामचिह्नों का चार्ट * पंचमाक्षर, संयुक्ताक्षर, शब्द कार्ड, * वाक्य पट्टी, सुवचन पट्टी, * परिच्छेद चार्ट (केवल शिक्षक/शिक्षिका के लिए) * संदर्भ साहित्य	* ध्यानपूर्वक आकलन करते हुए श्रुतलेखन, शुद्धलेखन में रुचि लेता है। * शब्द, वाक्य, परिच्छेद का शुद्ध लेखन करने हेतु उन्मुख होता है। * मात्रा, विरामचिह्न, मानक वर्तनी, पंचमाक्षर, संयुक्ताक्षर का विशेष ध्यान रखते हुए लेखन करता है। * शुद्धलेखन प्रतियोगिता में सहभागी होता है। * निर्णय क्षमता का विकास होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षा कार्य * सहपाठी मूल्यांकन * सहपुस्तक जाँच
३.	**प्रश्नोत्तर लेखन –** (सरल परिच्छेद पर आधारित सरल प्रश्नों के उत्तर)	* परिच्छेद * चार्ट * प्रश्नसंच	* प्रश्नोत्तर लेखन में रुचि लेता है। * सरल परिच्छेद पर आधारित सरल प्रश्नों का आकलन करता है। * उत्तर का लेखन करता है। * आकलन क्षमता का विकास होता है। * सटीक एवं निर्दोष उत्तर लिखने की क्षमता का विकास होता है। * निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षा कार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * सहपुस्तक कसौटी

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	सतत सर्वंकष सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
४.	**निर्देशित लेखन –** चित्र के आधार पर सूचनानुसार कहानी लेखन करना।	❋ कथाचित्र ❋ संदर्भ साहित्य	❋ चित्र का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करता है। ❋ आकलन के आधार पर कहानी लिखता है। समझते हुए लिखने की प्रवृत्ति बढ़ती है। ❋ सर्जनशीलता, कल्पनाशक्ति का विकास होता है। ❋ लेखन कौशल का विकास होता है। ❋ कहानी लेखन प्रतियोगिता में सहभागी होता है। ❋ लेखन में आत्मविश्वास की वृद्धि होती है।	❋ निरीक्षण ❋ प्रात्यक्षिक ❋ कृति ❋ कक्षा कार्य ❋ सहपाठी मूल्यांकन ❋ स्वाध्याय ❋ उपक्रम
५.	**स्वयंस्फूर्त लेखन –** अपने जन्मदिन एवं पारिवारिक प्रसंग पर स्वयंस्फूर्त भाव से लेखन करना।	❋ चित्र ❋ चार्ट ❋ छायाचित्र	❋ स्वयंस्फूर्त लेखन में रुचि लेता है। ❋ अपनी वर्षगाठ के प्रसंग का स्मरण करता है। ❋ क्रमबद्ध लेखन करता है। ❋ परिवार में शादी–विवाह, त्योहार आदि के प्रसंगों का स्मरण करता है। ❋ प्रसंगों को क्रमबद्ध करके लिखता है। ❋ रचना कौशल का विकास होता है। ❋ लेखन द्वारा अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि होती है। ❋ भावनाओं का समायोजन होता है। ❋ स्वयंस्फूर्त लेखन प्रतियोगिता में सहभागी होता है।	❋ निरीक्षण ❋ प्रात्यक्षिक ❋ कृति ❋ कक्षा कार्य ❋ सहपाठी मूल्यांकन ❋ स्वाध्याय ❋ उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	सतत सर्वंकष सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : 'खेल–खेल में पहचानो' संज्ञा,संज्ञा के बदले आने वाले शब्द, विशेषता बताने वाले एवं कृति का बोध कराने वाले शब्दों के शब्दकार्ड – चित्रचार्ट एवं वाक्य पट्टियाँ बनाएँ। एक – एक कार्ड उठाने के लिए कहें। एक ही प्रकार के शब्दभेदों के कार्डों का अलग–अलग समूह बनाएँ। उदा : कलम, देश,नदी, लड़की, माँ मैं, तुम, वह, थे, उन्हें अच्छा, मोटा, सफेद, होशियार, पढ़ना, हँसना, बोलना खेलना, खाना	* चित्र कार्ड * शब्द कार्ड * वाक्यपट्टियाँ * संदर्भ साहित्य	१. आनंद लेते हुए शब्दकार्ड/वाक्यपट्टी के माध्यम से बताने वाले, संज्ञाके स्थान पर आने वाले शब्द, विशेषण, क्रिया का बोध कराने वाले शब्दों को पहचानता है। २. स्थान, वस्तु, व्यक्ति आदि के नाम, उनकी विशेषताएँ पहचानता है। ३. संदर्भ साहित्य में पढ़े गए (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) शब्दों को अधोरेखित करता है। उनकी सूचियाँ बनाता है। ४. पहचाने गए शब्दों का उनके कार्य के अनुसार वर्गीकरण करता है। ५. वाक्य में शब्दों का उचित एवं स्थान के अनुसार प्रयोग करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * मौखिक कार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
१.	* विकारी शब्द सामान्य परिचय,	* विकारी शब्दभेद– चार्ट * चित्रचार्ट	* चित्र, शब्द चार्ट एवं कार्ड के माध्यम से विकारी शब्दों के (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) भेद पहचानता है। * विकारी शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करता है। * विकारी शब्दों का वर्गीकरण करता है।	

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
२.	शब्दयुग्म, उपसर्ग, प्रत्यय के प्रयोग करना।	* उपसर्ग, प्रत्यय कार्ड * उपसर्ग, प्रत्यय वाले शब्दों का चार्ट	* शब्दों की जोड़ी पहचानता है। अपने भाषण–संभाषण एवं लेखन में शब्दयुग्मों का प्रयोग करता है। * उपसर्ग – प्रयत्य लगाकर नए – नए अर्थपूर्ण शब्द बनाता है। * उपसर्ग – प्रत्यय वाले शब्दों का मूल रूप पहचानकर अलग करता है। * शब्द संपदा का विकास होता है। * उपसर्ग–प्रत्यय वाले शब्दों का भाषण संभाषण में प्रयोग करता है।	* प्रात्यक्षिक * निरीक्षण * मौखिक * कक्षाकार्य * स्वाध्याय * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम * प्रकल्प
३.	**शब्दों के रूप** : * एक से अनेक, अनेक से एक शब्द बनाना। १) वैमानिक = विमान चलाने वाला २) पशु–पक्षियों को एक–साथ रखने की जगह = चिड़िया घर * समानार्थक, भिन्नार्थक, विरुद्धार्थक शब्द	* शब्द चार्ट (एक से अनेक) (अनेक से एक) * समानार्थक, भिन्नार्थक, विरुद्धार्थक, शब्दों का चार्ट	• एक शब्द के लिए आने वाले पर्यायी या समानार्थी शब्दों से परिचित होता है। * शब्द का अर्थ बताने वाला शब्दसमूह बताता है। * अनेक शब्दों से एक शब्द बनाकर बताता है। * अपने भाषण–संभाषण, लेखन में प्रयोग करता है। * रचनात्मकता का विकास होता है। * समानार्थी भिन्नार्थी, एवं विरुद्धार्थी शब्द बताता है। * भाषण – संभाषण, लेखन में इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करता है।	* कृति * प्रात्यक्षिक * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * प्रकल्प * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
४.	विरामचिह्न (पुनरावृत्ति) * मुहावरों – कहावतों का परिचय	* विरामचिह्नों का चार्ट * वाक्य पट्टियाँ विराम चिह्नों-रहित / विराम चिह्नों-सहित * मुहावरों/कहावतों का अर्थ सहित चार्ट	* पूर्णविराम, अद्र्धविराम, प्रश्नवाचक चिह्न, विस्मयसूचक चिह्न आदि से परिचित होता है। प्रभावी, अर्थपूर्ण भाषण-संभाषण एवं लेखन में प्रयोग करता है। * भाषा में विरामचिह्नों का कार्य एवं महत्व समझता है। * मुहावरों – कहावतों का अर्थ समझते हुए भाषण – संभाषण एवं लेखन में प्रयोग करता है। * भाषा की समृद्धि में मुहावरों, कहावतों का प्रयोग करना सीखता है।	* मौखिक * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * लिखित कसौटी * उपक्रम * प्रकल्प
५.	वर्तनी का सामान्य परिचय **अक्षर लेखन** : शिरोरेखा, अक्षरों के आकार – गोलाई, अनुनासिक, अनुस्वार चिह्नों का प्रयोग करना।	* वर्ण कार्ड * वर्ण चार्ट * शब्द चार्ट * वाक्य पट्टी	* वर्णमाला के प्रत्येक वर्ण के आकार से शब्दों – वाक्यों का लेखन करता है। * शिरोरेखाओं का प्रयोग लेखन में करता है। * अनुनासिक एवं अनुस्वार चिह्न का उचित स्थान पर प्रयोग करता है। * निर्णय क्षमता का विकास होता है।	* प्रात्यक्षिक * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * लिखित कसौटी

भाषाई कौशल क्षेत्र : व्यावहारिक सृजन — **कक्षा – पाँचवीं**

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : 'जैसी कथनी वैसी करनी' कक्षा में प्रत्येक विद्यार्थी सामने आकर सुबह उठकर विद्यालय तक आने की सभी कृतियों को बोलता है। दूसरा विद्यार्थी बोलने के अनुसार कृति करता है। **उदाहरण** : मैं सुबह उठकर मंजन/ब्रश करता/करती हूँ। दूसरा विद्यार्थी उसका अभिनय करता/करती है। अगला विद्यार्थी दिनचर्या का अगला क्रम कहता है – मैंने स्नान किया – अभिनय – इसी तरह प्रत्येक विद्यार्थी को अवसर देना।	* विभिन्न कृतियों के चित्र चार्ट	* रुचिपूर्वक खेल में सहभागी होता है। * अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होता है। * आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। * अभिनय क्षमता का विकास होता है। * स्थितियों की क्रमबद्ध वर्णनक्षमता विकसित होती है। * जीवन में क्रमबद्धता एवं अनुशासन के प्रति आत्मीयता जागृत होती है। * विद्यार्थियों में परस्पर एवं शिक्षक के बीच आंतरक्रिया में वृद्धि होती है। * सम अनुभूति एवं भावनाओं का समायोजन होता है। * तनाव का समायोजन होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन
१.	**अनुवाद** : मराठी, अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में अनुवाद करना।	* मराठी – अंग्रेजी शब्दों के चार्ट * शब्दकोश	* मराठी और अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में अनुवाद करता है। * मराठी और हिंदी के शब्दों में अर्थ की समानता और भिन्नता को समझता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक, * कृति

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वकष मूल्यमापन
			* हिंदी और मराठी, अंग्रेजी से सहसंबंध स्थापित करता है। * मातृभाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के प्रति आत्मीयता जागृत होती है। * व्यावहारिक जीवन में हिंदी के प्रयोग की ओर उन्मुख होता है। * रचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है।	* कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
२.	**व्यावसायिक लेखन :** बधाई, अभिनंदन, स्वागत कार्ड तैयार करना तथा सही शब्दों का उचित जगहों पर प्रयोग एवं लेखन करना।	कार्ड पेपर, विभिन्न कार्ड, कैंची, रबर, पेंसिल, शब्द चार्ट	* बधाई, अभिनंदन, स्वागत कार्ड रुचिपूर्वक तैयार करता है। * कार्ड पर उचित स्थान पर बधाई, अभिनंदन, स्वागत शब्द लिखता है। * रचनात्मकता का विकास होता है। * कल्पना शक्ति, सजावट करने की प्रवृत्ति जागृत होती है। * व्यवहार कुशल बनने की ओर अग्रसर होता है। * शब्द संपत्ति का विकास होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
३.	**नाट्यकला :** परिसर के कृषक एवं व्यवसायियों के बारे में साभिनय एकल एवं सामूहिक मुखर प्रस्तुति करना।	* चित्र * चार्ट * परिसर के व्यवसायियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले साधन और औजारों का चार्ट	* कृषक एवं व्यवसायियों के बारे में चर्चा करता है। * उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य एवं कार्य पद्धति का स्मरण करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* उनके कार्य एवं कार्यपद्धति का सामूहिक मुखर अभिनय करता है। * एकल अभिनय करता है। * आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। * परिसर के किसान, व्यावसायियों एवं उनके व्यवसाय के प्रति आदर भाव विकसित होता है। * मन में श्रम प्रतिष्ठा का भाव विकसित होता है। * अभिनय के माध्यम से भावनाओं का समायोजन होता है।	* सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
४.	**लिप्यंतरण :** * हिंदी शब्दों का रोमन (अंग्रेजी) में लिप्यंतरण करना। * अंग्रेजी शब्दों का देवनागरी (हिंदी) में लिप्यंतरण करना। उदाहरण : १) घर - GHAR २) रमेश- RAMESH ३) BANK - बैंक ४) ANTHONY - एंथनी	* शब्द चार्ट	* हिंदी में लिखे शब्दों को रोमन (अंग्रेजी) रूप में लिखता है। * रोमन(अंग्रेजी में) लिखित शब्दों का हिंदी (देवनागरी) में लेखन करता है। * रोमन(अंग्रेजी) लिपि के माध्यम से हिंदी एवं देवनागरी हिंदी लिपि के माध्यम से अंग्रेजी लिखने का प्रयास करता है। * हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं के प्रति आत्मीयता विकसित होती है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम * प्रकल्प

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* देवनागरी एवं रोमन लिपि में समानता एवं भिन्नता से परिचित होता है। * लिप्यंतरण क्षमता का विकास होता है।	
५.	**सांकेतिक चिह्न** : * पुलिस, स्काऊट - गाइड, पथ सुरक्षा दल के सांकेतिक चिह्नों की जानकारी प्राप्त करना, उनके अर्थ समझाना। * संगणक की प्रारंभिक जानकारी एवं प्रमुख सांकेतिक चिह्नों को जानना।	* चित्र और सांकेतिक चिह्नों के चार्ट * संगणक/संगणक की प्रतिकृति	* पुलिस, स्काऊट-गाइड, पथ सुरक्षा दल के सांकेतिक चिह्नों की जानकारी प्राप्त करता है। * चिह्नों के अर्थ से अवगत होता है। * पुलिस और पथ सुरक्षा दल के प्रति आदर भाव विकसित होता है। * स्काऊट-गाइड में सम्मिलित होता है। * सांकेतिक चिह्न के महत्व को समझकर उनको जीवन में अपनाने का प्रयास करता है। * प्रमुख सांकेतिक चिह्नों से अवगत होता है। * संगणक के प्रयोग हेतु उन्मुख होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम * प्रकल्प

भाषाई क्षेत्र/कौशल क्षेत्र – श्रवण कक्षा : छठी

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल – 'सुनो और करो'' मुहावरे सुनकर तद्नुसार कृति करना– * बाग–बाग होना * थिरक उठना * कंधे–से–कंधा मिलाना * हाथ मिलाना * दाँत पीसना * गिरह बाँधना	* चार्ट * सी.डी., डी.वी.डी., * ध्वनिफीत * संदर्भ साहित्य	* खेल में रुचि लेता है। * मुहावरे सुनता है * आकलन करता है। * आकलन के आधार पर कृति करता है। * तनाव का समायोजन होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन
१.	देशभक्ति गीत, कविता, दोहे सुनना–सुनाना। (श्रमप्रतिष्ठा, समानता, नियमितता, मूल्याधारित)	* चार्ट * सी.डी. * डी.वी.डी. * ध्वनिफीत * संदर्भ साहित्य	* देशभक्ति गीत, कविता, दोहे ध्यानपूर्वक सुनने में रुचि लेता है। * भावों–विचारों का आकलन करता है। * पूछे गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनता है और समझता है। * प्रश्नों के उत्तर अन्य विद्यार्थियों को सुनाता है। * देशप्रेम की भावना जागृत होती है। * कवियों, संतों के प्रति आदरभाव उत्पन्न होता है। * अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व महसूस करता है। * कविता, दोहों में आए मूल्यों को आत्मसात करता है। * भावनाओं का समायोजन होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन साधन/सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
२.	समारोह का वर्णन, चर्चा, जानकारी छोटी-छोटी प्रासंगिक कथाएँ, बाल सभाएँ, प्रासंगिक भाषण सुनना-सुनाना।	* चार्ट * सी.डी. * डी.वी.डी. * ध्वनिफीत * संदर्भ साहित्य	* समारोह का वर्णन, जानकारी, छोटी-छोटी प्रासंगिक कथाएँ, बालसभा की चर्चा, प्रासंगिक भाषण ध्यानपूर्वक सुनता है। * उनका आकलन करता है। * प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनकर समझता है। * विद्यार्थियों को सुनाता है। * कथा के पात्रों से सहसंबंध स्थापित करता है। * समअनुभूति की भावना जागृत होती है। * भावनाओं का समायोजन होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन
३.	घटना, प्रसंग आदि का वर्णन सुनना-सुनाना।	* चित्र चार्ट * सी.डी. * डी.वी.डी. * ध्वनिफीत * संदर्भ साहित्य	* घटना, प्रसंग का वर्णन ध्यानपूर्वक सुनता है। * आकलन करता है। * सुनी हुई बातें अन्य विद्यार्थियों को सुनाता है। * पूछे गए प्रश्नों को सुनता एवं समझता है। * अन्य विद्यार्थियों को सुनाता है। * घटना, प्रसंगों का विश्लेषण करता है। * दुर्घटनाओं के प्रति सजग होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन
४.	* कार्यानुभव के उपक्रम सुनना-सुनाना। * सुने हुए विषयों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।	* कार्यानुभव विषयों की सूची * चार्ट * संदर्भ साहित्य	* कार्यानुभव के विषय सुनने में रुचि लेता है। * ध्यानपूर्वक सुनता है। * आकलन करता है। * प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों को सुनाता है। * कार्यानुभव के प्रति रुचि निर्माण होती है। * उपक्रमों में सहभागी होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन साधन/सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
५.	गद्य, पद्य परिच्छेद, विविध कार्यक्रम के समाचार सुनना-सुनाना।	❉ परिच्छेद चार्ट ❉ समाचार पत्र ❉ सी.डी., डी.वी.डी., ❉ दूरदर्शन, रेडियो. ❉ ध्वनिफीत ❉ संदर्भ साहित्य	❉ गद्य, पद्य परिच्छेद, विविध कार्यक्रम के समाचार सुनने-सुनाने में रुचि लेता है। ❉ ध्यानपूर्वक सुनता है। ❉ आकलन करता है। ❉ सभी प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनता है। ❉ प्रश्नों के उत्तर अन्य विद्‌यार्थियों को सुनाता है। ❉ गद्य, पद्य में आए हुए मूल्यों से परिचित होता है।	❉ निरीक्षण ❉ प्रात्यक्षिक ❉ मौखिक कार्य ❉ कृति ❉ कक्षाकार्य ❉ सहपाठी मूल्यांकन ❉ उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : 'बात-बात में बात' **कृति –** शिक्षक कक्षा में राष्ट्रध्वज का चित्र लटकाते हैं। विद्यार्थियों को चित्र के संबंध में एक-एक वाक्य बोलने के लिए कहते हैं तथा हर वाक्य में कोई नई बात बताने के लिए कहते हैं। **उदा. –** * यह झंडा है। * यह तिरंगा झंडा है। * यह तिरंगा झंडा हमारा राष्ट्रध्वज है। * यह हमारे राष्ट्र की शान है। इस तरह अन्य अभ्यास करना/कराना।	तिरंगे झंडे का चित्र	* आनंदपूर्वक खेल में सहभागी होता है। * आपस में चर्चा करते हुए चित्र के संबंध में हर वाक्य में नई बात बताता है। * राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना का दृढ़ीकरण होता है। * राष्ट्रीय एकता का भाव विकसित होता है। * चित्र को देखकर मन में उभरने वाले भाव व्यक्त करने के संबंध में आत्मविश्वास बढ़ता है। * खेल के माध्यम से तनावमुक्त होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन
१.	अनुशासन, दया, क्षमा व अन्य मूल्यवाले गीत, समूहगीत, कविता, दोहे शुद्‌ध उच्चारण के साथ प्रस्तुत करना।	* देशभक्ति गीतों का फोल्डर * समूहगीतों का फोल्डर * कविताओं एवं दोहों के चार्ट, सी.डी., डी.वीडी. ध्वनिफीत * संदर्भ साहित्य	* शुद्‌ध उच्चारण के साथ गीत प्रस्तुत करता है। * शुद्‌ध उच्चारण के साथ समूहगीत प्रस्तुत करता है। * शुद्‌ध उच्चारणयुक्त कविता करता है। * दोहों की प्रस्तुति शुद्‌ध उच्चारण के साथ करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			✻ संदर्भित भाव जागृत होता है। ✻ समूह भावना विकसित होती है। ✻ गीतों, कविताओं एवं दोहों में कही गई बोधप्रद नैतिक बातों का अनुसरण करने का प्रयास करता है। ✻ भावनाओं एवं तनाव का समायोजन होता है।	
२.	✻ शालेय कार्यक्रमों का वर्णन करता है। ✻ छोटी-छोटी प्रासंगिक कथाएँ बताना। भाषण देना। ✻ बालसभा में विचार प्रकट करना।	✻ शालेय कार्यक्रमों की सूची, प्रारूप का चार्ट, मुख्य समाचारों एवं जानकारियों का चार्ट ✻ प्रासंगिक कथाओं की सी.डी. डी.वी.डी. दूरदर्शन, रेडियो ✻ ध्वनिफीत ✻ संदर्भ साहित्य	✻ शालेय कार्यक्रमों का वर्णन करता है। ✻ वर्णन करते समय प्रत्येक प्रसंग को उचित क्रम देता है। ✻ कार्यक्रम के वर्णन को समाचार शैली में प्रस्तुत करते हुए प्रत्येक प्रसंग की जानकारी का कथन करता है। ✻ अपने सहपाठियों के साथ समाचारों एवं जानकारियों पर चर्चा करता है। ✻ विविध प्रसंगों के विषय में छोटी-छोटी प्रासंगिक कथाएँ बताता है। ✻ बालसभा में अपने मनोगत आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करता है। ✻ किसी भी घटना, प्रसंग का वर्णन अपने शब्दों में करने की क्षमता पैदा होती है। ✻ निर्भीक प्रस्तुति की योग्यता विकसित होती है। ✻ चर्चा के दौरान अपने विचार प्रस्तुत करने के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है। ✻ तनाव का समायोजन होता है।	✻ निरीक्षण ✻ प्रात्यक्षिक ✻ मौखिक कार्य ✻ कृति ✻ कक्षाकार्य ✻ सहपाठी मूल्यांकन ✻ उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
३.	* शब्दरचना, वाक्यरचना, समानार्थी, विरुद्धार्थी की कृतियुक्त जानकारी देना। * मुहावरों-कहावतों का प्रयोग करना।	* वर्णों के कार्ड। शब्दों और वाक्यों का चार्ट। * समानार्थी और विरुद्धार्थी शब्दों के चार्ट। मुहावरों के चार्ट। कहावतों के चार्ट। * संदर्भ साहित्य।	* वर्णों को जोड़कर सार्थक शब्द बोलता है। * शब्दों को जोड़कर सार्थक वाक्य बोलता है। * समानार्थी शब्द बताता है। * विरुद्धार्थी शब्द बताता है। * शब्द संपदा की वृद्धि होती है। * मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करता है। * कहावतों का वाक्यों में प्रयोग कर बोलता है। * दैनिक व्यवहार की बातचीत में यथास्थान मुहावरों एवं कहावतों का प्रयोग करने का प्रयास करता है। * भाषा प्रयोग का स्तर विकसित होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
४.	* अन्य विषयों (हिंदीतर) के उपक्रम, प्रकल्प आदि से जानकारी प्राप्त करना। प्राप्त जानकारी पर चर्चा करना।	* हिंदीतर विषयों के उपक्रम, प्रकल्प, विविध विषयों के जानकारीयुक्त चार्ट, * संदर्भ साहित्य।	* हिंदीतर विविध विषयों के संबंध में जानकारी देता है। * गणित, विज्ञान, इतिहास, भूगोल आदि विषयों के विविध उपक्रमों एवं प्रकल्पों के संबंध में बताता है। * उपक्रमों एवं प्रकल्पों के आधार पर विषयों की विस्तृत जानकारी देता है। * अपने सहपाठियों के साथ जानकारी पर चर्चा करता है। * अन्य विषयों के साथ हिंदी का सहसंबंध स्थापित करता है। * विविध विषयों के प्रति रुचि जागृत होती है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
५.	* गद्य–पद्य के परिच्छेद में आए नए शब्द बताना। * विविध कार्यक्रम समाचार आदि की जानकारी क्रम से दोहराना। * हिंदी स्वर, व्यंजन, विशेष वर्ण, संयुक्ताक्षर से युक्त शब्द, वाक्य का मानक उच्चारण करना।	* गद्य परिच्छेद का चार्ट * पद्य परिच्छेद का चार्ट * स्वर, व्यंजन, विशेष वर्ण का चार्ट * संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों का चार्ट, * ध्वनिफीत * सी.डी., डी.वी.डी., * संदर्भ साहित्य	* गद्य एवं पद्य परिच्छेदों में आए नए शब्दों को दोहराता है। * विविध कार्यक्रमों, समाचारों आदि की जानकारी को क्रम से दोहराता है। * शब्द भंडार में वृद्धि होती है। * स्वर–व्यंजनों का मानक उच्चारण करता है। * विशेष वर्ण, संयुक्ताक्षर से युक्त शब्दों एवं वाक्यों का मानक उच्चारण करता है। * आपसी बातचीत में सही उच्चारणों का प्रयोग करता है। * उच्चारण शुद्धता का विकास होता है। * वर्गीकरण करता है। * निर्णय क्षमता विकसित होती है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन

भाषाई कौशल/क्षेत्र – वाचन

कक्षा : छठी

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल – 'हम इनके साथ हैं ' पदों को जोड़कर मुहावरों/कहावतों को पूरा करना। कृति : परिचित/कहावतों के दो–दो हिस्से बनाकर उनकी अलग–अलग पट्टियाँ बनाई जाएँ। सही पट्टियों को जोड़कर मुहावरों/कहावतों को पूरा करने के लिए कहा जाए। उदा. खिल जाना, जीरा, बाछें, उँट के मुँह में, नौ दो, घी में होना, ग्यारह होना, पाँचों उँगलियाँ।	* मुहावरों/कहावतों के अलग–अलग भागों की पट्टियाँ।	* रुचिपूर्वक पट्टियाँ पढ़ता है। * पट्टियों पर लिखे आशय को समझता है। * दो–दो भागों के बीच संबंध जोड़ता है। * सही भागों को साथ में जोड़कर मुहावरों/कहावतों को पूरा करता है। * मुहावरों/कहावतों की जानकारी दृढ़ होती है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * सहपाठी मूल्यांकन * कक्षाकार्य
१.	* गीतों का वाचन करना। * कविताओं का वाचन करना। * दोहों का वाचन करना।	* चार्ट * संदर्भ साहित्य	* गीतों का लय, ताल, आरोह–अवरोह तथा हावभाव के साथ वाचन करता है। * शब्द–संग्रह में वृद्धि होती है। * साहस, त्याग आदि भावनाओं से परिचित होता है। इन्हें जीवन में उतारने की चेतना विकसित होती है। * कविताओं का रुचिपूर्वक आशय समझते हुए वाचन करता है। * कविताओं के वाचन में लय–ताल, आरोह–अवरोह का ध्यान रखता है।	* निरीक्षण * कक्षाकार्य * स्वाध्याय * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* परिचित दोहों का अर्थ समझते हुए पढ़ता है। * जीवनमूल्यों का महत्व समझता है। उनको जीवन में उतारने की चेतना विकसित होती है।	
२.	* संवादों का वाचन करना (मुहावरों-कहावतों सहित) * पत्र का वाचन करना। (घरेलू पत्र)	* घरेलू पत्रों का संग्रह * संदर्भ साहित्य	* विविध विषयों से संबंधित संवाद पढ़ता है। * संवाद में लिखित प्रश्नोत्तर अथवा बातचीत का क्रम समझता है। * बातचीत की भाषा से परिचित होता है। * मुहावरों-कहावतों का भंडार/संग्रह बढ़ता है। * संवादों के वाचन के कारण बातचीत की शब्दावली से परिचित होता है। उसका प्रयोग करने की समझ बढ़ती है। * घरेलू पत्र का वाचन करता है। पत्र के अंशों/हिस्सों से परिचित होता है। * परिवार के सदस्यों के प्रति आदरभाव में वृद्धि होती है।	* निरीक्षण * कक्षाकार्य * समूह में वाचन * सहपाठी मूल्यांकन * कृति * उपक्रम
३.	* समसामयिक विषयों पर दिए गए भाषण को पढ़ना। (अहिंसा, विश्वबंधुत्व आदि) * वर्णनात्मक निबंध का वाचन * हास्यकथा का वाचन।	* निबंध संग्रह * हास्यकथाओं का संकलन-चार्ट * संदर्भ साहित्य	* राष्ट्रीय त्योहार, सामाजिक त्योहार, राष्ट्रीय महापुरुष आदि पर दिए गए भाषणों का वाचन करता है। * भाषण विधि से परिचित होता है। * राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं, व्यक्तियों से परिचित होता है।	* निरीक्षण * कक्षाकार्य * स्वाध्याय * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			* महापुरुषों के गुणों को जानने-समझने की ओर अग्रसर होता है। * शब्दसंग्रह विकसित होता है। * वर्णनात्मक निबंधों का वाचन करता है। * वर्णनात्मक निबंधों के वाचन से वाचन में रुचि बढ़ती है। * हास्यकथाओं को रुचिपूर्वक पढ़ता है। * तनाव का समायोजन होता है।	* उपक्रम
४.	* प्रदर्शनी का वर्णन पढ़ना। * यात्रा-वर्णन पढ़ना।	* प्रदर्शनी के चित्र चार्ट * संदर्भ साहित्य	* प्रदर्शनी के वर्णन को रुचिपूर्वक पढ़ता है। * अलग-अलग कलाओं, उपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनियों के वर्णन पढ़ने से शब्दसंग्रह बढ़ता है। * कलाओं की ओर आकर्षित होता है। * परिसर, समाज के अन्यान्य घटकों के साथ संबंध विकसित होता है। * कला विषयक समझ बढ़ती है। * जीवनोपयोगी वस्तुओं की जानकारी में वृद्धि होती है। * यात्रा वर्णन को रुचिपूर्वक पढ़ता है। * वर्णन कौशल/वर्णन शैली के प्रभाव से परिचित होता है। शब्दसंग्रह विकसित होता है।	* निरीक्षण * स्वाध्याय * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
			❋ तनावों से मुक्त होता है। ❋ जीवनानुभव में वृद्धि होती है। ❋ वाचन में रुचि का विकास होता है।	
५.	❋ सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं की जानकारी पढ़ना।	❋ चार्ट ❋ संदर्भ साहित्य	❋ सामाजिक संस्थाओं के संबंध में रुचिपूर्वक पढ़ता है। (जैसे - परिवार, युवा-संगठन, महिला संगठन आदि) ❋ सामाजिक संस्थाओं से परिचित होता है। ❋ सांस्कृतिक संस्थाओं के संबंध में रुचिपूर्वक पढ़ता है। ❋ सांस्कृतिक संस्थाओं से परिचित होता है। ❋ सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना जागृत होती है। ❋ वाचन के प्रति रुचि में वृद्धि होती है। ❋ परिसर, सामाजिक घटकों के साथ संबंध विकसित होता है।	❋ निरीक्षण ❋ कक्षाकार्य ❋ सहपाठी मूल्यांकन ❋ स्वाध्याय ❋ उपक्रम

भाषाई कौशल्य/क्षेत्र : लेखन

कक्षा : छठी

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	* **भाषाई खेल :** **''मुझे गले लगाओ संपत्ति बढ़ाओ।''** कृति : उपसर्ग एवं प्रत्यय लगाकर शब्द संपत्ति बढ़ाना। उदाहरण – १) उपसर्ग – कुसंग, अज्ञान, सुविचार सदाचार, अनुराग आदि २) प्रत्यय : मित्रता, लंबाई, अपमान, सादगी आदि।	* उपसर्ग-प्रत्यययुक्त शब्दों का चार्ट * उपसर्ग, प्रत्ययों की सूची, चार्ट	* खेल में रुचिपूर्वक सहभागी होता है। * उपसर्ग, प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए-नए शब्दों की रचना करता है। * लेखन कौशल विकसित होता है। * शब्द संपत्ति में वृद्‌धि होती है * विचार विमर्श की क्षमता का विकास होता है। * उपसर्ग, प्रत्यययुक्त शब्दों का वर्गीकरण करता है। * खेल के माध्यम से तनाव का समायोजन होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
१.	* **अनुलेखन/सुलेखन :** विरामचिह्न युक्त परिच्छेद का लेखन करना।	* परिच्छेद चार्ट, * विरामचिह्न चार्ट * संदर्भ साहित्य,	* दिए गए परिच्छेद का आकलन करता है। * दिए गए परिच्छेद का सुपाठ्य और सुडौल अनुलेखन/सुलेखन करता है। * लेखन में एकाग्रता की वृद्‌धि होती है। * सुलेखन प्रतियोगिता में सहभागी होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी * मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
२.	* **श्रुतलेखन/शुद्धलेखन :** * हिंदी की मात्रा, वर्तनी एवं वर्णों के मानक रूप के आधार पर परिच्छेद का लेखन करना।	* परिच्छेद चार्ट * विरामचिह्न चार्ट * संदर्भ साहित्य,	* श्रुतलेखन एवं शुद्धलेखन करने में रुचि लेता है। * श्रुतलेखन के शब्द, वाक्य का आकलन करता है। * मात्रा, वर्तनी के नियम वर्णों के मानक रूप को ध्यान में रखते हुए श्रुतलेखन, शुद्धलेखन करता है। * निर्दोष लेखन की ओर प्रवृत्त होता है। * सुपाठ्य, सुडौल लेखन की ओर अग्रसर होता है। * श्रुतलेखन, शुद्धलेखन प्रतियोगिता में सहभागी होता है। * ह्रस्व, दीर्घ मात्राएँ, वर्तनी के नियम, वर्णों के मानक रूप से अवगत होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * लिखित कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * सहपुस्तक मूल्यांकन
३..	**प्रश्नोत्तर लेखन :** * गद्य पद्य परिच्छेद पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखना।	* गद्य चार्ट/पद्य चार्ट * संदर्भ साहित्य,	* पठित गद्य पद्य परिच्छेद का एकाग्रता के साथ आकलन करता है। * परिच्छेद में आए विचारों को आत्मसात करता है। * प्रश्नों के लिखित उत्तर देने की क्षमता विकसित होती है। * सटीक उत्तर लिखने की प्रवृत्ति बढ़ती है। * विश्लेषण एवं निर्णय क्षमता का विकास होता है। * आत्मविश्वास में वृद्धि होने से स्व की पहचान होती है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षाकार्य * स्वाध्याय * सहपाठी मूल्यांकन * सहपुस्तक मूल्यांकन

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
४.	* **निर्देशित लेखन :** रूपरेखा के आधार पर घरेलू पत्र एवं निबंध लिखना। (पर्यावरण संरक्षण, व्यसनमुक्ति, सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित)	* पत्रलेखन रूपरेखा चार्ट * निबंध लेखन रूपरेखा चार्ट * संदर्भ साहित्य	* दी गई रूपरेखा पर चर्चा करता है। * रूपरेखा का आकलन करता है। * दी गई रूपरेखा के आधार पर पत्र, निबंध लिखता है। * पत्रलेखन द्वारा परिवार के सदस्यों के प्रति आत्मीयता, आदरभाव बढ़ता है। * वर्णन क्षमता में वृद्धि होती है। * संयोजन क्षमता बढ़ती है। * सर्जनशीलता का विकास होता है। * निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है। * आत्मीयजनों को पत्र लिखता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
५.	* **स्वयंस्फूर्त लेखन :** * विद्‌यालयीन कार्यक्रम, प्रसंग, त्योहार की जानकारी का लेखन करना। (साक्षरता दिवस - ८ सितंबर) (मलाला दिवस - १० नवंबर) (शिक्षा दिवस - ११ नवंबर के विशेष संदर्भ में)	* संबंधित चित्र चार्ट * छायाचित्र * संदर्भ साहित्य	* स्वयंस्फूर्त लेखन में रुचि लेता है। * विद्‌यालयीन कार्यक्रम, प्रसंग, त्योहार आदि पर चर्चा करता है। * आकलन करते हुए वर्णन करता है। * स्वयंस्फूर्त भाव से लेखन करता है। * संयोजन क्षमता में वृद्धि होती है। * सर्जनशीलता का विकास होता है। * क्रमबद्‌ध लेखन की ओर अग्रसर होता है। * लेखनद्‌वारा अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है। * तर्क एवं निर्णय क्षमता का विकास होता है। * शिक्षा अधिकार के प्रति जागरूक होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय उपक्रम * प्रकल्प

भाषाई कौशल/क्षेत्र : क्रियात्मक व्याकरण **कक्षा – छठी**

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : 'शब्दों का उपवन ' कृति : कक्षा के विद्यार्थियों के नाम, स्थान के नाम, वस्तुओं के नाम की अलग–अलग पर्चियाँ बनाकर एक जगह रखना। प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा एक–एक पर्ची उठाना। विद्यार्थियों के नाम, स्थान के नाम वस्तुओं के नाम वाली पर्ची जिनके–जिनके पास है; उनसे अलग – अलग गुट बनाकर खड़े रहने और पढ़ने के लिए कहना।	❊ पर्चियाँ (नाम, स्थान, वस्तु की)	❊ विद्यार्थी खेल में रुचि लेता है। ❊ स्थान, वस्तु, नामों की पर्चियों के अनुसार अपने–अपने गुट में खड़ा रहता है। ❊ खेल के माध्यम से वर्गीकरण क्षमता विकसित होती है। ❊ स्व – की पहचान होती है। ❊ निर्णय क्षमता विकसित होती है। ❊ आनंदपूर्वक वाचन का अभ्यास होता है।	❊ प्रात्यक्षिक ❊ कृति ❊ निरीक्षण ❊ सहपाठी मूल्यांकन ❊ स्व–मूल्यांकन
१.	❊ पुनरावृत्ति : पिछली कक्षा में पढ़े विकारी शब्दों का सामान्य परिचय की पुनरावृत्ति ❊ विकारी शब्दों के उपभेदों की जानकारी प्राप्त करना। संज्ञा के उपभेद सर्वनाम के उपभेद विशेषण के उपभेद क्रिया के उपभेद	❊ विकारी शब्दों के उपभेदों का चार्ट ❊ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के उपभेदों का चित्र चार्ट। ❊ शब्द चार्ट	❊ विद्यार्थी विकारी शब्दों के भेदों/उपभेदों से परिचित होता है। ❊ संज्ञा एवं सर्वनाम के भेदों से परिचित होते हुए अपने भाषण संभाषण एवं लेखन में प्रयोग करता है। ❊ विशेषण एवं क्रिया के उपभेदों से परिचित होता तथा यथास्थान उनका प्रयोग करता है। ❊ निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है। ❊ वर्गीकरण/विश्लेषण क्षमता के विकास की ओर अग्रसर होता है।	❊ मौखिककार्य ❊ निरीक्षण ❊ कसौटी ❊ कक्षा कार्य ❊ स्वाध्याय ❊ उपक्रम ❊ प्रकल्प

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
२.	* क्रिया के काल/काल के भेद का सामान्य परिचय करना/कराना।	* क्रिया के काल एवं उनके उपभेदों का चार्ट * काल के उपभेदोनुसार वाक्य पट्टियाँ	* वाक्य पढ़कर उनका काल समझता है। * वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्य काल के वाक्यों का वर्गीकरण करता है। * क्रिया के कालानुसार बदले हुए रूप से परिचित होता है। * अपने भाषण – संभाषण एवं लेखन में काल के अनुसार प्रयोग करता है। * निर्णय क्षमता का विकास होता है। * वर्गीकरण विश्लेषण की क्षमता विकसित होती है।	* कृति * मौखिक कार्य * कृति * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
३.	* कारक एवं उनके चिह्नों का परिचय कराना।	* वाक्य पट्टियाँ * कारक चिह्नों का चार्ट * कारक चिह्न कार्ड	* कारक चिह्नों एवं कारकों का वाक्य में स्थान पहचानता है। * कारकों का प्रयोग अपने भाषण– संभाषण एवं लेखन में करता है। * कारकों के बिना वाक्य अधूरा एवं अर्थहीन होता है यह समझता है। * निर्णयक्षमता एवं वर्गीकरण क्षमता का विकास होता है।	* मौखिक * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * स्व.मूल्यांकन * उपक्रम
४.	* 'विराम चिह्नों का परिचय देना। योजक चिह्न (हाइफन) – विवरण चिह्न :– कोलन :	* विराम चिह्नों का चार्ट * हाइफन, विवरण चिह्न, लगाई हुई वाक्य पट्टियाँ	* विरामचिह्नों से परिचित होता है। * अपने लेखन में विरामचिह्नों का प्रयोग करता है।	* प्रात्यक्षिक * निरीक्षण * कक्षाकार्य

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	* वाक्यों के प्रकार– रचना के अनुसार (साधारण, मिश्र, संयुक्त)	* वाक्यों का चार्ट * साधारण वाक्य, मिश्र वाक्य * संयुक्त वाक्यों के चार्ट	* वाक्यों का वाचन करता है एवं उनकी रचना का आकलन करता है। * साधारण, मिश्र, संयुक्त वाक्यों का वर्गीकरण करता है। * उद्देश्य, विधेय, मुख्य वाक्य, उपवाक्य, आश्रित उपवाक्यों का आकलन होता है। * रचनात्मकता का विकास होता है।	* सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
५.	* हिंदी मानक वर्तनी का सामान्य परिचय (वाक्य में कारक चिह्नों का लेखन पंचमाक्षर के अनुसार, अनुस्वार, अनुनासिक, संयुक्ताक्षर का विस्तार से परिचय)	* वर्णमाला का वर्गानुसार चार्ट (क, च, ट, त, प वर्ग) * अनुस्वार वाले शब्दों का चार्ट * संयुक्ताक्षरवाले शब्दों का चार्ट * कारकचिह्नों से बनी वाक्य पट्टियाँ	* वर्तनी के नियमों से परिचित होते हुए लेखन करता है। * वर्णों के वर्ग के अनुसार संयुक्ताक्षर लेखन करता है। * संज्ञा, सर्वनाम में कारकचिह्न लगाकर अथवा अलग करके लिखने के नियमों से परिचित होता है। * वाक्य में उचित स्थान पर उचित कारक चिह्न लगाकर लिखता है। * निर्णयक्षमता एवं वर्गीकरण, विश्लेषण क्षमता का विकास होता है।	* प्रात्यक्षिक * निरीक्षण * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम

भाषाई कौशल/क्षेत्र : व्यावहारिक सृजन **कक्षा – छठी**

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन–अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
	भाषाई खेल : ''सलाम – नमस्ते'' * विद्यार्थियों के दो गुट बनाना। एक गुटद्वारा नमस्ते, प्रणाम, आशीष, स्वागत, सलाम, सैल्युट, हाथ मिलाने की कृति करना। * दूसरे गुट द्वारा इस कृति को पहचानकर अर्थ बताना एवं कृति करना।	* संबंधित चित्र, चार्ट	* ''सलाम – नमस्ते'' खेल में रुचि लेता है। * कृति करता है। * बड़ों के प्रति आदरभाव और समवयस्कों के लिए मित्रता का भाव विकसित होता है। * सुसंस्कारित होता है। * सर्वधर्म समभाव विकसित होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम
१.	* मराठी, अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी में अनुवाद करना।	* मराठी, अंग्रेजी वाक्यों का चार्ट	* मराठी अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी में मौखिक अनुवाद करने में रुचि लेता है। * अनुवाद का लेखन करता है। * हिंदी एवं मातृभाषा, मराठी से सहसंबंध प्रस्थापित करता है। * हिंदी और अंग्रेजी के उच्चारण लेखन की भूमिका से अवगत होता है। * हिंदी के साथ – साथ मराठी एवं अंग्रेजी के प्रति लगाव बढ़ता है। * दैनिक व्यवहार में हिंदी का प्रयोग करता है। * अनुवाद करने की क्षमता विकसित होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
२.	* **व्यावसायिक लेखन :** * परिचित कार्यालयीन शब्दों एवं वाक्यों का लेखन करना। * विद्यालय के विशेष प्रसंगों का वृत्तांत लेखन करना (पत्रकारिता के बारे में)	* कार्यालयीन शब्दों का चार्ट * विशेष प्रसंगों के चार्ट	* परिचित कार्यालयीन शब्दों एवं वाक्यों पर चर्चा करता है। * शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाता है। * विद्यालय के विशेष प्रसंगों की चर्चा करता है। * प्रसंगों का वृत्तांत लेखन करता है। * समाचार पत्रों में छापने के लिए वृत्तात भेजता है। * व्यावसायिक लेखन क्षमता का विकास होता है। * भाषिक सहिष्णुता की चेतना जागृत होती है। * व्यावसायिक लेखन करने हेतु आत्मविश्वास बढ़ता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय
३.	* नाट्यकला : ज्ञात कलाकारों की नकल करना।	* ज्ञात कलाकारों के चित्र	* नाट्यकला में रुचि लेता है। * रंगमंच दूरदर्शन, सिनेमा के ज्ञात बाल एवं अन्य कलाकारों के अभिनय की नकल करता है। * परिसर के परिचित कलाकारों से मिलकर नाट्यकला के बारे में चर्चा करता है। * अभिनय में आत्मविश्वास बढ़ता है। * अभिनय कला की ओर उन्मुख होता है। * नाट्यकला के माध्यम से भावनाओं एवं तनाव का समायोजन होता है। * परिचित कलाकार का साक्षात्कार (इंटरव्यू) लेता है।)	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिककार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * उपक्रम

अ. क्र.	अध्ययन अनुभव	अध्ययन-अध्यापन सामग्री	प्रतिक्रिया, उपयोजन, व्यावहारिक परिवर्तन	सतत सर्वंकष मूल्यमापन
४.	**लिप्यंतरण :** * हिंदी संदेशों का रोमन (अंग्रेजी) में लिप्यंतरण करना। * अंग्रेजी संदेशों का देवनागरी (हिंदी) में लिप्यंतरण करना।	* हिंदी और अंग्रेजी संदेशों का चार्ट	* लिप्यंतरण में रुचि लेता है। * हिंदी संदेशों का रोमन लिपि (अंग्रेजी) में लिप्यंतरण करता है। * रोमन लिपि के (अंग्रेजी) संदेशों को देवनागरी (हिंदी) में लिखता है। * लिपि परिवर्तन में भाषा की वर्तनी समझते हुए लिप्यंतरण करता है। * हिंदी और अंग्रेजी में संदेश भेजने का प्रयास करता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम
५.	**सांकेतिक चिह्न :** * पिछली कक्षा के सांकेतिक चिह्नों का पुनरावर्तन करना। * सेना, राष्ट्रीय छात्रसेना के प्रमुख सांकेतिक चिह्न. * हिंदी शब्दकोश के निर्देशक शब्दों का लघुरूप * मुद्रित शोधन : # शब्दों अक्षरों में अंतर λ शब्द डालना ⁀ जोड़ना d निकालना (केवल चार)	* सांकेतिक चिह्नों का चार्ट	* पिछली कक्षा के सांस्कृतिक चिह्नों का पुनरावर्तन करता है। * सेना, राष्ट्रीय छात्र सेना के प्रमुख सांकेतिक चिह्नों का रेखन-लेखन करता है। * इन चिह्नों का अर्थ समझता है। * देशप्रेम की भावना जागृत होती है। * महाराष्ट्र छात्र सेना, राष्ट्रीय छात्र सेना में सम्मिलित होने के लिए तत्पर होता है। * हिंदी शब्दकोश के निर्देशक शब्दों के लघुरूप से परिचित होता है। * शब्दकोश देखने में रुचि लेता है। * मुद्रित शोधन के चिह्नों से परिचित होता है। * दूसरे विद्यार्थी द्वारा लिखित कार्य का मुद्रित शोधन चिह्नों का प्रयोग कर सुधार करता है। * शब्द संपदा का विकास होता है। * शुद्ध एवं मानक लेखन की ओर उन्मुख होता है।	* निरीक्षण * प्रात्यक्षिक * मौखिक कार्य * कृति * कक्षाकार्य * सहपाठी मूल्यांकन * स्वाध्याय * उपक्रम